

Contents

<i>Preface</i>	ix-xii
<i>Contributors</i>	xiii-xvi
1. Rise and Evolution of Culture in Pūrvāñchal from the Earliest time up to the Beginning of Urbanisation : An Overview – <i>Radha Kant Varma</i>	1
2. The Middle Ganga Plain : One of the Early Centres of Agriculture and Domestication – <i>J.N. Pal</i>	24
3. Geology of <i>Darad-Gaṇḍakī Deśa</i> : Region of the River Gaṇḍaka – <i>T.P. Verma</i>	42
4. Sohgaora : A Site of Historic and Pre-historic Significance in the Sarayūpāra Region – <i>Prem Sagar Chaturvedi</i>	50
5. Lahuradeva Investigations and Sarayūpāra – <i>Rakesh Tewari</i>	59
6. Agiabir : An Important Pre-historic Settlement of Eastern Uttar Pradesh – <i>Ashok Kumar Singh</i>	77
7. The Neolithic Culture in Allahabad District – <i>V.D. Misra</i>	83
8. Technological Innovations and Cultural Development in Proto-Historic – Early Historic Vindhya – Ganga Plain – <i>Vibha Tripathi</i>	93

- | | | |
|-----|---|-----|
| 9. | An Assessment of Protohistoric Culture of the Central Gangetic Plain
– <i>Rahman Ali</i> | 112 |
| 10. | Beliefs and Rituals : Earliest Settled Communities in Eastern Uttar Pradesh
– <i>Neelima Pandey</i> | 120 |
| 11. | Buddhist Architecture in Eastern Uttar Pradesh
– <i>Amar Singh</i> | 127 |
| 12. | In Defence of Kauśāmbī School of Art
– <i>Anamika Roy</i> | 137 |
| 13. | Early Coinage of Eastern Uttar Pradesh
– <i>Prashant Srivastava</i> | 151 |
| 14. | Archaeological Glory of Kushinagar
– <i>Nirmala Shukla</i> | 167 |
| 15. | Śrāvastī: A City of Socio-cultural Amalgamation in between Gangetic Plains and Northern India
– <i>Anil Kumar</i> | 175 |
| 16. | A Unique Early Historical Tank at Śringaverpura
– <i>R.S. Srivastava & Suresh Bala Gogna</i> | 179 |
| 17. | Some Unique Sculptures of Kaushāmbī
– <i>Suniti Pandey</i> | 197 |
| 18. | काशी-सारनाथ की गुप्तकालीन कला शैली
– <i>मारुति नन्दन तिवारी</i> | 205 |
| 19. | अभिलेखों में पूर्वी उत्तर प्रदेश
– <i>विपुला दुबे</i> | 213 |
| 20. | मध्य गंगा के मैदान में मध्य पाषाण कालीन अस्थि-उपकरण
– <i>सरिता कुमारी</i> | 231 |
| 21. | पूर्वी उत्तर प्रदेश में पर्यावरण पुरातत्त्व के क्षेत्र में शोध की संभावनायें
– <i>पुष्पलता सिंह</i> | 234 |
| 22. | उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र का उद्भव एवं विस्तार
(दक्षिण एशिया में बौद्ध धर्म के प्रसार के आलोक में)
– <i>रवीन्द्र कुमार</i> | 241 |

23. भीटा में शैव धर्म के पुरातात्विक अवशेष
– सुषमा श्रीवास्तव 253
24. पाँचोंसिद्ध का पुरातत्त्व
– पीयूषकान्त शर्मा 260
25. गोन्डे-गोबरी की प्रतिमाएँ
– बृजभानु सिंह 263
26. काशी के मृणपुरावशेषों में लोक कलायें
– सुरेन्द्र कुमार यादव 272
27. इलाहाबाद मण्डल की ताम्रपाषाणिक संस्कृति
– प्रज्ञा मिश्रा 289
28. पूर्वी उत्तर प्रदेश की पूर्व मध्ययुगीन वैष्णव मूर्तियाँ
– सीमा श्रीवास्तव 297
29. वाराणसी में भित्ति चित्रांकन परंपरा
– अनुपमा श्रीवास्तव 304
30. पूर्वी उत्तर प्रदेश की गाहडवालियुगीन अभिलेखीय पुरासंपदा
– इन्दुधर मिश्र 308
31. पूर्वी उत्तर प्रदेश के जैन पुरास्थल एवं पुराभिलेख
– दयामणि कुशवाहा 314
32. पूर्वी उत्तर प्रदेश के चन्दौली जनपद में सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली का
उपयोग करके पुरातत्त्व डाटाबेस का सृजन
– संघर्ष राव 319